ESSENCE OF MAHASHIVRATRI – GOOD NEWS !! GOD HAS ARRIVED, HIS BRIEF INTRODUCTION

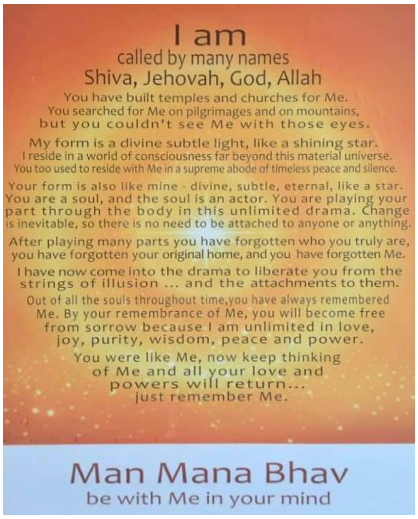

SHIV – A POINT OF LIGHT ***HIS MESSAGE*** ***PARAMDHAM – SOUL WORLD***

- NAME: SHIV (also called as BHAGWAN, GOD, ALLAH, JEHOVAH, YAHWEH, IK ONKAAR in different religions or SUPREME SOUL/CONSCIOUSNESS in Spirituality)
- ADDRESS: PARAMDHAM (also called as Brahmand, Soul World)
- OCCUPATION: World Transformation (through ***Self Transformation***)

- HIS REFERNCE IN DIFFERENT RELIGIONS:
  - **HINDUS** worship him as SHIV JYOTIRLING (Shiv-name, Jyoti/Light-Form, Ling-Symbol)
  - **MUSLIMS** refer to him as ALLAH and say ALLAH Noor hai (Noor means Light)
  - **JESUS** said "God is ONE, God is TRUTH, God is LIGHT. I am son/Messenger of God." [Jyoti/Noor/Light])
  - **GURU NANAK** said "Ik Onkaar Satnaam Kartaa Purakh Nirbhau Nirvair Akaal Moorat Ajoonee Saibhan Gur Prasaad

SAI BABA OF SHIRDI said "Sabka Maalik Ek" (Finger pointed upwards)

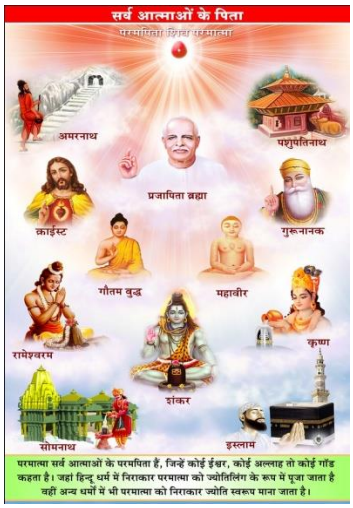

HIS MESSAGE: ***Oh My Dear Sweet Children! You have been calling me by many names. In this age of utter darkness when there is chaos everywhere and all hope seems lost, when the challenges of the world seem to have no end, when sorrow, peacelessness and unrighteousness is the norm of the day, in such extreme dark night of Kaliyug, I have come to liberate you as promised in Srimad Bhagavad Geeta and take you to my abode of Peace, Tranquility, Bliss and Abundance.***

Oh Dear Children! You are just like me, a Point of Light – Soul, but, you have forgotten your true self. Now, just keep thinking of me in my original form which is Point of Light and all your lost peace, love and powers will return.

PRAJAPITA BRAHMA KUMARIS SPIRITUAL WORLD UNIVERSITY

FOR 7 DAYS FREE RAJYOGA MEDITATION COURSE CONTACT YOUR NEAREST BRAHMA KUMARIS CENTRE. Visit https://www.brahmakumaris.com/centers/ to locate nearest centre.

Watch Brahma kumaris 24/7 TV channel "Peace of Mind". Reliance Digital TV # 171, Videocon D2h # 497, Tata Sky # 1065, Airtel Digital TV # 686, Dish TV # 1087. 24/7 channel "Awakening TV" on Jio Tv or Live on You tube. Watch "Awakening with Brahmakumaris" by BK Shivani

महाशिवरात्रि का रहस्य - भगवान आ चुके है, उनका परिचय।

ज्योति बिंदु शिव परमधाम में

शिव ज्योतिर्लिंग

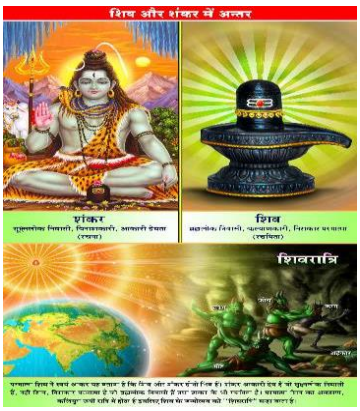

शिव और शंकर अलग है

"यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥४-७॥
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् ।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ॥४-८॥ "

जब-जब भारत में धर्म की अति ग्लानि होती है, तब-तब अधर्म का विनाश कर धर्म की पुनःस्थापना करने मैं इस धरा पर अवतरित होता हूँ ।

ईश्वरीय सन्देश - "मेरे मीठे-मीठे बच्चों, मैं शिव हूँ। मैं एक ज्योति बिंदु स्वरुप हूँ। मेरा घर पांच तत्वों की इस दुनिया से पार शान्तिधाम / परमधाम है। मैं वहाँ का रहने वाला हूँ। तुम आत्माएं, जो मेरे ही बच्चे हो, तुम भी मेरी तरह ही ज्योति बिंदु स्वरुप हो। तुम भी परमधाम मे मेरे साथ ही रहती थी। तुम, इस सृष्टि रंगमंच पर जो ड्रामा चल रहा है, उसमें अपना पार्ट बजाने ऊपर से यहाँ निचे आयी हो। परन्तु पार्ट बजाते-बजाते तुम अपना असली स्वरुप भूल गयी और अपने घर को भी भूल गयी। मुझे, अपने असली स्वरुप को और अपने घर को भूलने के कारण तुम अभी बहुत ही दुःखी और अशांत हो गयी हो। तुमने कई जन्मों से मुझे पुकारा है। अनेक नामों से भी पुकारा; ईश्वर, अल्लाह, गॉड, येहोवा, इक ओंकार। तुम्हारी पुकार सुनकर मैं अब इस साकार सृष्टि पर अवतरित हुआ हूँ और तुम्हे पावन बना, सुख-शांति का वर्सा देकर वापिस घर ले जाना आया हूँ। मैं सर्वव्यापी (omnipresent) नहीं हूँ।

हे आत्मन! स्वयं को पहचानो, मुझे पहचानो और आकर मुझसे अपना सुख-शांति का वर्सा लो। अब ये ड्रामा पूरा होने को है। मैं आया ही हूँ कलियुग की इस घोर अँधेरी रात में जिसकी यादगार में तुम महाशिवरात्रि का पर्व मना रहे हो। मैं हर कल्प के अंत में आता ही हूँ कलियुगी सृष्टि को बदल नयी सतयुगी सृष्टि रचने जहाँ सम्पूर्ण सुख, शांति और सम्पन्नता होगी। कोई रोग, शोक, दुःख नहीं होगा। बस तुम्हे अपने को आत्मा समझ मैं जो हूँ, जैसा हूँ (बिंदु रूप) उसी यथार्थ रीति मुझे याद करना है, तो तुम्हारी खोई हुई सुख-शांति, शक्तियां तुम्हे वापिस मिल जाएँगी।"

परमात्मा शिव के अवतरण दिवस को शिव रात्रि के रूप में मनाते है। यह रात्रि शब्द अज्ञान अंधियारे का प्रतिक है। परमात्मा का अवतरण धर्म ग्लानि के समय होता है और वर्तमान समय धर्म ग्लानि का समय स्पष्ट दिखाई दे रहा है। अतः अभी ही शिव परमात्मा के अवतरण का समय है। उनका दिव्य कर्तव्य, जिस कारण मंदिरों में उनकी पूजा शिवलिंग के रूप में होती है, वह है सृष्टि परिवर्तन। ये कलियुगी सृष्टि को बदल एक दिव्य सतयुगी सृष्टि की स्थापना जहाँ मनुष्य आत्माओं में दैवी गुण होने के कारण वह देवता कहलाएंगी। वह दैवी संस्कार परमात्मा हम आत्माओं को अभी ही धारण करा रहे है राजयोग के द्वारा। तो चलिए हम भी परमात्मा के इस दिव्य कार्य में सहयोगी बन अपना भाग्य बना ले और नयी सतयुगी सृष्टि में देव आत्माएं बन फिर से अपना सुख, शांति का वर्सा उनसे पा ले। आप सभी को सहर्ष हार्दिक निमंत्रण है। आओ स्वयं को बदले और विश्व परिवर्तन के कार्य में अपना सहयोग दे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय

7 दिन का निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन कोर्स सिखने के लिए अपने नज़दीकी ब्रह्माकुमारीज़ सेवा केंद्र से संपर्क करे